महिलाएं स्थापित करेंगी 6.50 लाख सूक्ष्म उद्यम

- प्रशिक्षण देकर बनाई जाएंगी 13,064 सूक्ष्म उद्यम सखियां
- 39 जिलों में हो चुका है चयन, शेष में कल होगी परीक्षा

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : बीसी सखी, विद्युत सखी, कृषि आजीविका सखी, पशु सखी, सूर्य सखी जैसी कोशिशों के बाद उप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) अब स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सूक्ष्म उद्यम सखी के रूप में भी विकसित करने में जुट गया है। इन महिलाओं को उद्यम स्थापना, संचालन से लेकर उत्पाद की बिक्री तक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण दिलाया जाएगा। मिशन की ओर से 6.50 लाख से अधिक सूक्ष्म उद्यम शुरू कराने की योजना बनाई गई है। इसके लिए फिलहाल महिलाओं के चयन का काम चल रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में लागू की गई इस योजना के तहत प्रदेश भर में महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 13,064 महिलाएं चयनित की जानी हैं। चयनित महिलाओं को विकसित प्रशिक्षण माड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। महिलाओं के चयन के लिए 19 जून को प्रथम चरण में 39 जिलों की परीक्षा कराई गई थी। अब बुधवार को दूसरे चरण में शेष 24 जिलों में परीक्षा का आयोजन होना

है। मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि सूक्ष्म उद्यम सखियां खुद उद्यमी बनेंगी। उन्हें छोटे व्यापार शुरू करने, वित्तीय सहायता प्राप्त करने और विपणन आदि के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा।

बैंक सखी की मदद से उन्हें बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। आगे चलकर एक सूक्ष्म उद्यम सखी, 50 अन्य महिलाओं को उद्यम कराने मे सहयोग करेगी। जिस तरह बीसी सखी, विद्युत सखी आदि योजनाओं से महिलाएं समृद्ध हुई हैं, सूक्ष्म उद्यम सखी योजना भी उनको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगी।